ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2019-21

वर्ष : ०५ | अंक : २३ | मुंबई, शुक्रवार, १० मई से १६ मई २०१९ | RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

१६ हजार इमारतों का बारिश से पहले ऑडिट

मुंबई : मुंबई के १६ हजार उपकर प्राप्त खस्ताहाल इमारतों की समीक्षा की जाएगी। इस बार बारिश को देखते हुए खतरनाक और अत्यंत खतरनाक इमारतों की श्रेणी बनाने की बजाय सभी इमारतों की एक साथ समीक्षा होगी। मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल ने इमारत के साथ ट्रांजिट कैंप में दिए गए घरों और पुनर्विकास के कार्यों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। हर साल बारिश से पहले म्हाडा इमारतों की समीक्षा कर खतरनाक इमारतों की सूची जारी करती है। इमारत के बाहर सूचना बोर्ड भी लगाए जाते हैं। पिछले साल म्हाडा ने १४ इमारतों को अत्यंत खतरनाक घोषित किया था। इस बार इमारतों का सर्वेक्षण शुरू है। ५० से अधिक साल के पुरानी इमारतों का हाल बहुत दयनीय है। ऐसे में मुंबई इमारत मरम्मत व पुर्नरचना मंडल के सभापती विनोद घोसालकर ने इमारतों की मरम्मत पर जोर दिया है।

शहर में उपकर प्राप्त इमारतों की संख्या १६ हजार है। इसकी रखरखाव और मरम्मत पूरी जिम्मेदारी म्हाडा की है। इसमें से कई इमारतों में बांबू लगाए गए हैं। खस्ताहाल इमारत के बावजूद लोग अपने घर को छोड़कर ट्रांजिट कैंप में जाने के लिए तैयार नहीं होते हैं। इसीलिए इमारतों का मरम्मत करने की जरूरत है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

शाईस्ता शेख

मुंबई : लोकसभा चुनाव नतीजे आने से पहले ही मुंबई कांग्रेस विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग गई है। सोमवार को इसी सिलसिले में मुंबई कांग्रेस ने एक बैठक की, जिसमें मुंबई कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा ने कहा कि हम सभी को अभी से ही विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग जाना चाहिए। बैठक में देवड़ा ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों से कहा कि पिछले पांच साल में प्रदेश की शिवसेना-भाजपा सरकार ने कुछ नहीं किया। लोग इस सरकार से परेशान हैं। इसे सत्ता से उखाड़ फेंकने में मुंबई कांग्रेस की निर्णायक भूमिका होगी। बस, कांग्रेस के सभी नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। देवड़ा ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसके बावजूद मुंबई के विकास के लिए इस सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुंबई के झोपड़ों में रहने वालों को ५०० वर्ग फुट का मकान देने की घोषणा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने इसी मुंबई शहर में की थी। उसे पूरा करना है और इसके लिए राज्य में कांग्रेस की सरकार लाना जरूरी है।

फ्लैट में काला जादू?

३ मरे कुत्ते, १२ पपी और बिल्लियां बरामद

मुंबई : विरार के एक फ्लैट में तीन कुत्तों के कंकाल, बारह कुत्ते के जिंदा बच्चे और बिल्लियां मिली हैं। जिंदा कुत्ते-बिल्लियों की स्थिति भी बहुत खराब है। पुलिस ने इस फ्लैट को किराए पर लेने वाली एक महिला और उसकी बेटियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। हालांकि अभी तक तीनों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। बिल्डिंग में रहने वालों का आरोप है कि मां-बेटियां फ्लैट में काला जादू करती थीं।

पुलिस ने बताया कि शहनाज जानी (५५) ने विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी में एक सेकंड फ्लोर का फ्लैट इसी साल मार्च में किराए पर लिया था। यहां पर वह अपनी बेटियों आयशा (२२) और फराह (२३) के साथ रहती थी। फ्लैट की मालकिन डेसी बोरिवली में रहती हैं। उनकी तरफ से ही पुलिस में शहनाज, फराह और आयशा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के लोगों ने डेजी से उनके फ्लैट के अंदर से कुत्तों के भोंकने की आवाज और लगातार बदबू आने की शिकायत की थी। शिकायत पर डेजी पिछली हफ्ते अपने विरार के इस फ्लैट में पहुंची तो दंग रह गईं। यहां पर उन्हें पंद्रह बिल्लियां और सात कुत्ते मिले। इसके अलावा घर के बेडरूम में कुत्तों और बिल्लियों के कंकाल पड़े थे।

डेजी ने बताया कि जब उन्होंने फ्लैट में मौजूद जिंदा कुत्ते बिल्लियों को देखा तो हैरान हो गईं। उनमें से कई के शरीर पर जले के निशान थे। घर में जानवरों का मल और पेशाब जगह-जगह पड़ी थी। घर से बहुत बदबू आ रही थी। डेजी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

बिल्डिंग में रहने वाले लोगों ने बताया कि कुत्तों को फ्लैट के बाहर कभी नहीं लाया जाता था। वे दिनरात भौकते रहते थे। लोगों ने बताया कि जिस तरह की स्थिति फ्लैट में मिली है उससे उन्हें शंका है कि शहनाज काला जादू करती थी। लोगों ने बताया कि उन्हें रात में मंत्र पढ़ने की आवाजें भी फ्लैट से सुनाई देती थीं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शहनाज और उसकी बेटियों को भी पुलिस तलाश रही है।

नूरे मोहम्मदी मुस्लिम जमाते-दारुल उलूम इस्लामिया इरला जामा मस्जिद की जानिब से हर साल माहे रमज़ान के मुब्बाराक महीने में मुसाफिरो के लिए इफ्तारी का इंतज़ाम किया जाता है इरला जामा मस्जिद में पिछले २० सालो से इफ्तियारी का कार्यकर्म मस्जिद के ट्रस्ट की तरफ से किया जाता है इस इफ्तारी में पिछले २० साल से ६०० से ज़ियादा मुसाफिर रोज़ा खोलते है ये कार्यकर्म मुसाफिरो के लिये रखखा जाता है जो लोग सफर में होते है रोजा खुलने घर नहीं जा पाते उन लोगो के लिये ये कार्यक्रम आयोजित किया जाता है ये कार्यक्रम मस्जिद के ट्रस्टी इम्तियाज़ दवे के नेत्रुत्व में किया जाता है जिससे काफी मुसाफिरो को फायदा होता है.

लगातार तीसरे साल एक अंक से सुधरा लिंग अनुपात, कहीं-कहीं गिरावट से चिंता बरकरार

जाफर शेख

मुंबई : पिछले कई साल से मुंबई का लिंग अनुपात बेहतर होता जा रहा है। हालांकि, पिछले तीन साल में एक अजीब ट्रेंड देखने को मिला है जिसे देखकर बेहतर होते नतीजे ज्यादा उम्मीद नहीं देते। दरअसल, २०१६ से २०१८ तक लिंग अनुपात में हर साल सिर्फ एक अंक की बढ़ोतरी हुई है। साल २०१६ में जहां १००० लड़कों पर ९३७ लड़कियां थीं, वहीं २०१७ में ९३८ और २०१८ में ९३९ लड़कियां थीं। अच्छी बात यह है कि २०१४ में ९३१ के बाद २०१५ में दर्ज की गई गिरावट (९२९) का दौर नहीं देखना पड़ रहा है और भले ही एक अंक से लेकिन लिंग अनुपात बेहतर होता जा रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो शहर धीरे-धीरे १००० लड़कों पर ९५० लड़कियों के आदर्श अनुपात की ओर बढ़ रहा है। मुंबई के अंदर पश्चिमी उपनगरों में सबसे बेहतर ९४८ अनुपात दर्ज किया गया जबकि यहां सबसे कम जन्म (३९,०३८) हुए थे। वहीं, पश्चिमी उपनगर में ६३,००० जन्म पर अनुपात ९३८ रहा और सबसे कम ९३५ आइलैंड सिटी हिस्से में रहा जहां ४९,००० जन्म हुए थे।

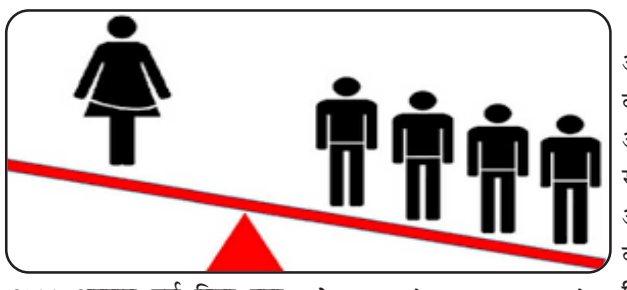

अलग-अलग वॉर्ड्स के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि २०१७ से अब तक २४ में से १० वॉर्ड्स में लिंग अनुपात में गिरावट आई है। ये वॉर्ड हैं भुलेश्वर, मरीन लाइन्स, मझगांव, परेल, माटुंगा, दादर से बांद्रा (पूर्व), अंधेरी (पश्चिम), मुलुंड और नाहुर। वहीं, गोरेगांव और आरे कॉलोनी वॉर्ड में २०१४ से गिरावट जारी है। २०१४ में ९५० से २०१५ में ९४१, २०१६ में ९३५, २०१७ में ९१५ और अब ९०६ रह गया है।

कन्या भ्रूण हत्या पर कई राज्यों में शोध करने वाले ऐक्टिविस्ट डॉ साबू जॉर्ज का कहना है कि मुंबई आदर्श लिंग अनुपात से केवल ११ अंक दूर है जिसका मतलब है कि अभी भी लड़कियां गायब हैं। उनका कहना है, 'सामान्य गणना करने पर कहा जा सकता है कि कम से कम १००० लड़कियां हर साल गायब हो जाती हैं और इसके पीछे क्या कारण हो सकता है?' ऐक्टिविस्ट्स का आरोप है कि निगम लिंग विशेष के अबॉर्शन को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाता है।

बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पद्मजा केसकर का कहना है कि मुंबई स्वस्थ रास्ते पर है और गोरेगांव जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में आदिवासी आबादी रहती है और पब्लिक अस्पताल नहीं है। उन्होंने कहा है कि इसे देखने की जरूरत है कि क्यों लिंग अनुपात में गिरावट आ रही है। उनका मानना है कि बिना किसी स्टडी के यह कहना है कि सेक्स सिलेक्शन के कारण ही लिंग अनुपात में गिरावट आ रही है, सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाएं बाहर से मुंबई आती हैं और डिलिवरी के बाद वापस चली जाती हैं। उन्होंने दावा किया कि विभाग सतर्क है और अवैध सेक्स डिटरमिनेशन प्रैक्टिस के खिलाफ आने वाली हर शिकायत पर ऐक्शन लेता है। वहीं, इंटरनैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस के पी अरोकियासामी का कहना है कि कॉन्ट्रासेप्शन से लेकर सेक्स डिटरमिनेशन तक लिंग अनुपात को प्रभावित करते हैं।

अब सरकार से विपक्ष तक सूखा राग 'अलाप'

आसिफ खान

मुंबई : महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के चार चरणों में राज्य का सूखा मुख्य मुद्दा नहीं रहा। न तो सरकार ने इसे महत्व दिया और न विपक्ष इसे चुनाव में जोर-शोर से उठा पाया। चुनाव खत्म होते ही अब सरकार और विपक्ष को सूखाग्रस्त गांवों की याद आई है। गुरुवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ने सूखे की स्थिति और सूखे से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। सभी पालक मंत्रियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने जिलों में सूखे की स्थिति का जायजा लें। मंत्रिमंडल की बैठक में बताया गया कि वर्तमान में राज्य में १२ हजार ११६ सूखाग्रस्त गावों में ४ हजार ७७४ टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। जरूरत पड़ने पर टैंकरों की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। राज्य में अगर मॉनसून का आगमन देरी से होता है, तो पैदा होने वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करने का निर्देश दिया गया।

बताया गया कि राज्य में सबसे ज्यादा टैंकर औरंगाबाद संभाग में चल रहे हैं। जायकवाडी बांध के पानी का उपयोग लोगों को पेय जल मुहैया के लिए किया जा रहा है। सूखा ग्रस्त क्षेत्र में १ हजार २६४ चारा छावनियां शुरू की गई हैं। इन चारा छावनियों में साढ़े आठ लाख जानवर हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में यह भी बताया गया कि सूखे से निपटने के लिए पैसा जिलाधिकारियों तक पहुंचा दिया गया है और इस पैसे का तेजी से वितरण का निर्देश दिया गया है। सूखे से प्रभावित ८२ लाख किसानों में से ६८ लाख किसानों के बैंक खातों में अब तक ४ हजार ४१३ करोड़ रुपये रकम जमा कराई जा चुकी है। किसानों को फसल बीमा योजना के मार्फत ३ हजार २०० करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना है, इसमें से १ हजार १०० करोड़ रुपये का वितरण हो चुका है।

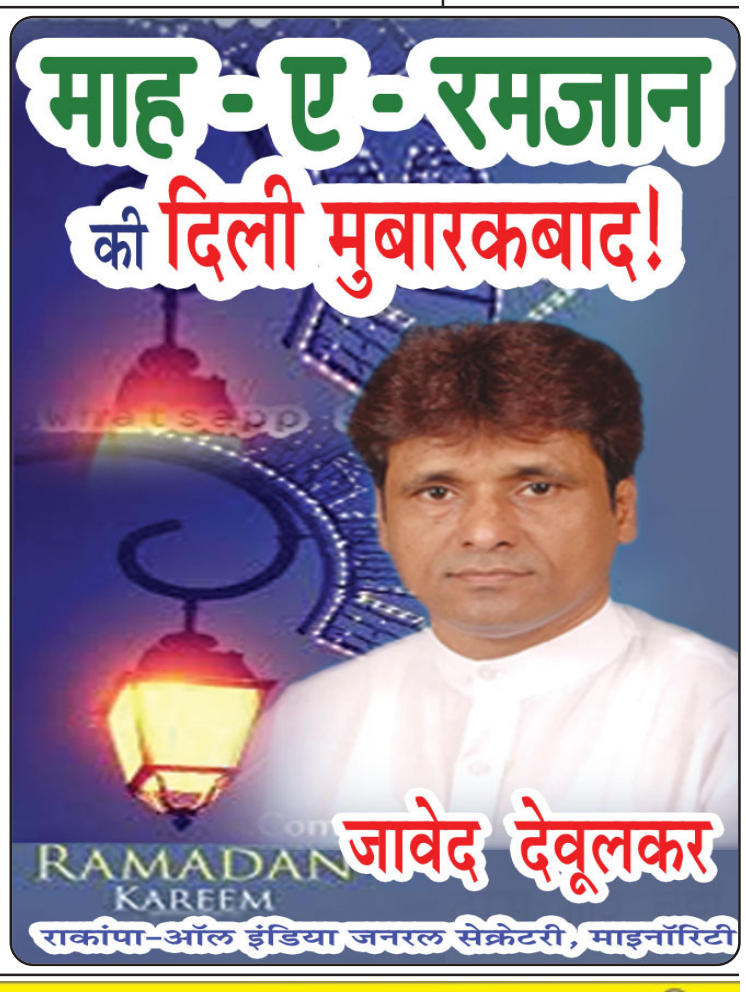

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

सुरक्षा परिषद् द्वारा जैशे-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया जाना भारतीय कूटनीति की महत्वपूर्ण उपलब्धि है. हालांकि, उसके गिरोह को २००१ में ही आतंकी सूची में डाल दिया था तथा २००९ में भारत ने भी अजहर को आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव दिया था, किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति की खींचतान और चीन के अड़ियल रवैये के कारण वह बचता रहा था. पुलवामा हमले के बाद भारत ने इस दिशा में ठोस पहलें की और चीन को भी भरोसे में लेने की कोशिश हुई. कुछ दिन पहले विदेश सचिव विजय गोखले ने ठोस दस्तावेजों के आधार पर मसूद अजहर के खतरनाक हरकतों से चीनी नेतृत्व को अवगत कराया था. चीन ने भी अपने रुख में बदलाव के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि ऐसा नये सबूतों के कारण हुआ है.

भारतीय प्रयासों के कारण ही फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका न सिर्फ प्रस्ताव लेकर आये, बल्कि उन्होंने यह भी कह दिया था कि अगर सुरक्षा परिषद् में प्रस्ताव फिर से रुक जाता है, तो वे इस मसले पर खुली चर्चा करायेंगे. इससे भी चीन पर दबाव बढ़ा, क्योंकि ऐसी कोई भी चर्चा उसे अलग-थलग कर सकती थी. कई सालों से भारत विभिन्न मंचों पर और द्विपक्षीय बातचीत में देशों को पाकिस्तान-समर्थित आतंकी गिरोहों के बारे में कहता रहा है.

मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन, हाफिज सईद जैसे सरगना कश्मीर समेत भारत में अलग-अलग जगहों पर आतंकी हमलों को अंजाम देते रहे हैं. इनसे जुड़े चरमपंथी और हिंसक गिरोह अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और ईरान में भी सक्रिय हैं. पाकिस्तान से अपनी गतिविधियों के संचालन करने के बावजूद इन्होंने वहां की जनता को भी अपना शिकार बनाया है. सुरक्षा परिषद् के प्रस्ताव में मसूद अजहर के अल-कायदा और तालिबान से गठजोड़ को रेखांकित किया गया है.

बालाकोट में भारतीय वायु सेना की कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई आलोचना न होने से भी यह इंगित हुआ था कि दुनिया में आतंक को लेकर एक आम राय बन रही है तथा भारत की ऐसी प्रतिक्रिया स्वाभाविक है. चीन द्वारा इस प्रस्ताव पर सहमत होने से भारत के साथ उसके संबंधों पर भी सकारात्मक असर होने की उम्मीद है. यह दोनों देशों के आर्थिक एवं सुरक्षा हितों के लिए शुभ संकेत है. लेकिन, यह भी ध्यान रखना होगा कि मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराना आतंक के विरुद्ध लड़ाई में एक कदम ही है, क्योंकि पहले की पाबंदियों के बावजूद विभिन्न गिरोह हमलावर होते रहे हैं. ऐसे में सबसे जरूरी है कि पाकिस्तान पर पूरी दुनिया दबाव बनाये कि वह आतंक को शह देना बंद करे. अक्सर ताकतवर देश अपने हितों के कारण आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाते हैं.

इससे उन्हें बड़ा नेटवर्क बनाने में मदद मिलती है. यह वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है. आतंकवाद के विरुद्ध व्यापक अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है और सुरक्षा परिषद् का निर्णय इस दिशा में एक बड़ी पहल है.

बार-बार सर्दी-जुखाम होने की ये हैं असली वजहें, जानें

मौसम बदलने पर बीमार पड़ना या फिर सर्दी-जुखाम हो जाना आम बात है लेकिन अगर आप उन लोगों में से शामिल हैं जिन्हें साल के १२ महीने में से १० महीने सर्दी जुखाम रहता है और सिर्फ मौसम बदलने पर ही नहीं बल्कि आम दिनों में भी आप सर्दी-जुखाम की वजह से बीमार रहते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं क्योंकि आप अकेले नहीं है जो इस तरह की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। हम आपको बता रहे हैं आखिर बार-बार बीमार पड़ने की वजह क्या है...

सही तरीके से हाथ न धोना

सामान्य सर्दी जुखाम बड़ी आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में ट्रांसफर हो जाता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन की मानें तो कम से कम २० सेकंड तक अच्छी तरह से हाथ धोना चाहिए। इसके अलावा खाना खाने से पहले, टॉइलट यूज करने के बाद, किसी बीमार व्यक्ति की देखभाल के बाद और खांसने या छींकने के बाद भी हाथों को अच्छी तरह से धोना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको भी सर्दी जुखाम होने का खतरा रहता है।

कमजोर इम्यूनिटी

इसमें कोई शक नहीं कि वैसे लोग जिनका इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर होती है वे जल्दी बीमार पड़ते हैं। इम्यूनिटी वीक होने की कई वजहें होती है जिसमें ऑटोइम्यून प्रॉब्लम, कुछ बीमारियां या फिर कई तरह की दवाईयां शामिल होती हैं जो शरीर को कमजोर बना देती हैं और रोगों से लड़ने की क्षमता खत्म हो जाती है।

बॉलीवुड समाचार

कंगना ने ऋतिक को सबसे बड़ी चोट पहुंचाने का इंतज़ाम कर लिया है

सुमन मौर्या

कंगना रनौत और ऋतिक रौशन के बीच मामला सेटल होने का नाम नहीं ले रहा है. लेटेस्ट खबर ये आ रही है कि कंगना की 'मेंटल है क्या' और ऋतिक रौशन की 'सुपर ३०' एक ही दिन यानी २६ जुलाई को रिलीज़ होगी. दोनों ही फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने इस बात को कंफर्म भी कर दिया है.

कंगना ऋतिक का पीछा छोड़ने को तैयार नहीं हैं

पहले 'मेंटल है क्या' २९ मार्च, २०१९ को रिलीज़ होने वाली थी. लेकिन बाद में उसे खिसकाकर २१ जून कर दिया गया. ऋतिक की 'सुपर ३०' शुरुआत में २५ जनवरी को रिलीज़ होने वाली थी. लेकिन कंगना ने उसी डेट पर अपनी फिल्म 'मणिकर्णिका' अनाउंस कर दी. मीटू में डायरेक्टर विकास बहल का नाम आ जाने की वजह से 'सुपर ३०' के मेकर्स मुश्किल में थे. उन्होंने फिल्म का काम बाकी होने की बात कहकर अपनी रिलीज़ डेट २६ जुलाई कर दी. अब कंगना की फिल्म 'मेंटल है क्या' २१ जून के बदले २६ जुलाई को थिएटर्स में लग रही है.

एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने से बचने की नाकाम कोशिश

पिछले एकाध दिन से ये खबर दबी ज़ुबान में मार्केट में चल रही थी. लेकिन ७ मई को बालाजी मोशन पिक्चर्स के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल से एक ट्वीट आया. इस ट्वीट में फिल्म की नई रिलीज़ डेट और उसके बॉक्स ऑफिस क्लैश की बात लिखी थी. इस पोस्ट में लिखा है कि उनकी फिल्म 'मेंटल है क्या' के बारे में कहा जा रहा है कि बॉक्स ऑफिस पर एक दूसरी फिल्म के साथ क्लैश होने वाली है. ये तारीख (२६ जुलाई, २०१९) बहुत सोच समझकर और डिस्ट्रिब्यूटर, ट्रेड एनलिस्ट और टॉप क्लास की रिसर्च टीम की सलाह पर चुनी गई है. और ये सिर्फ फिल्म के 'बिज़नेस' के लिहाज़ से किया जा रहा है. एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस का कहना है कि वो हर संभव कोशिश कर रहे है कि एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने की नौबत नहीं आए.

इसके कुछ ही देर बाद 'सुपर ३०' को प्रोड्यूस कर रही रिलायंस एंटरटेनमेंट की ओर से भी एक ट्वीट आया. इसमें उन्होंने बताया कि दूसरी फिल्म की अनाउंसमेंट के बावजूद वो अपनी रिलीज़ डेट नहीं बदल रहे. 'सुपर ३०' २६ जुलाई को ही रिलीज़ होगी. हालांकि एक थ्योरी ये है कि 'सुपर ३०' की रिलीज़ डेट ९ अगस्त तक खिसकाने की बात चल रही है.

कंगना ने अपनी पुरानी रिलीज़ डेट क्यों छोड़ दी?

टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक खबर के मुताबिक ऐसा कंगना के कहने पर किया गया है. लेकिन फिल्म के प्रोड्यूसर्स का मानना है कि ये सब बातें फर्जी हैं

२६ जुलाई को ये फिल्म रिलीज़ करने का फैसला फिल्म की बेहतरी के लिए लिया गया है. हालांकि एकता कपूर का कहना सही भी है. कंगना और ऋतिक की फिल्म एक ही दिन रिलीज़ होगी. रिलीज़ से पहले प्रमोशन होगा. इस दौरान कंगना फब्तियां कसने से बाज़ नहीं आएंगी. हर दूसरे दिन खबर बनेगी और इससे दोनों ही फिल्में रिलीज़ से पहले लगातार चर्चा में रहेंगी. जो बिलाशक उनके बिज़नेस में इज़ाफा करेगी.

ऋतिक के लिए ये फिल्म बहुत ज़रूरी है

ऋतिक रौशन पिछले पांच सालों में सिर्फ दो फिल्मों में नज़र आए हैं. एक थी आशुतोष गोवारिकर की 'मोहनजोदड़ो' और दूसरी संजय गुप्ता की 'काबिल'. पीरियड ड्रामा 'मोहजोदड़ो' बॉक्स ऑफिस पर पिट गई और 'काबिल' ने ठीक बिज़नेस किया था. इसलिए ऋतिक को 'सुपर ३०' से बहुत उम्मीदें होगी. वहीं कंगना अभी हाल ही में 'मणिकर्णिका' में नज़र आई थीं, जिसने १३० करोड़ रुपए से ज़्यादा की कमाई की. लेकिन वो १०० करोड़ रुपए के बजट में बनी थी.

कंगना वाली हरकत सलमान खान भी कर चुके हैं

कुछ ही समय में ये अपनी तरह की दूसरी घटना है. अप्रैल में सलमान खान की 'दबंग ३' भी की रिलीज़ अनाउंस हुई. ये फिल्म २० दिसंबर, २०१९ को रिलीज़ हो रही है. ये वही वीकेंड है, जिसे करण जौहर ने अपनी अयान मुखर्जी डायरेक्टेड फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के लिए बुक किया था. सलमान की फिल्म की रिलीज़ डेट आने के कुछ ही देर बाद अयान मुखर्जी ने एक नोट लिखा. इस नोट में उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म में काफी सारा काम बाकी है, जिसकी वजह से वो अपनी फिल्म क्रिसमस २०१९ के बदले २०२० की गर्मियों में रिलीज़ करेंगे. अयान मुखर्जी का वो पोस्ट आप नीचे देख सकते हैं.

कंगना और ऋतिक का पंगा क्या है?

ऋतिक और कंगना की लड़ाई पुरानी है. २०१३ में आई 'कृष ३' में दोनों ने साथ काम किया. इसके बाद अचानक से कंगना ने अपने किसी एक्स-बॉयफ्रेंड को 'मूर्ख' बता दिया. इसके जवाब में ऋतिक ने ट्वीट कर कहा कि वो किसी पोप को डेट कर लेंगे लेकिन उस महिला को नहीं, जो मीडिया में ये सब बातें कर रही है. इसके बाद कंगना ने कई सारे इंटरव्यूज़ में ऋतिक के बारे में बात की और बताया कि दोनों डेट कर रहे थे. लेकिन ऋतिक ने इस बातों को फर्जी बताया और कंगना को डेट करने की बात से इंकार कर दिया. बात पर्सनल इमेल लीक करने से लेकर कोर्ट-कचहरी तक पहुंच गई. हालांकि ये जिन्न पिछले कुछ टाइम से बोतल में बंद था लेकिन 'मणिकर्णिका' के बाद 'मेंटल है क्या' की रिलीज़ से पहले भी कंगना ने इसे छेड़ दिया है.

RCB की फैन इतनी फेमस हुई कि लोग सोशल मीडिया पर ढूंढ-ढूंढकर फॉलो कर रहे हैं

पिछले कुछ समय से एक ट्रेंड देखने को मिला है. क्रिकेट मैच से लोगों का अचानक फेमस हो जाना. कभी कोई बच्चा टीम के हारने पर रोकर या कोई फैन स्टेडियम में सोकर फेमस हो पड़ते हैं. इन सबके पीछे होता है, कैमरामैन की चौकस नज़र. इस बार इस लिस्ट में नाम जुड़ा है #TheRCBGirl का.

कल हैदराबाद का मैच था बैंगलोर से. मैच बैंगलोर ने जीता. और लोगों ने कारण बताया, एक लड़की को. लाल टॉप में एक लड़की आरसीबी का झंडा लिए अपनी टीम को चीयर कर रही थी. और कैमरा की नज़र बार-बार उस पर जा रही थी.

स्क्रीन पर उसका दिखना था कि सोशल मीडिया अपने काम में लग गया. मजाक चलने लगे. लोग उसे अपना क्रश और आरसीबी के लिए लकी चार्म बताने लगे. (ये लकी- अनलकी वाली बकैती बड़ी टुच्ची होती है बाय द वे!) कुछ लोगों ने पता भी कर लिया कि लड़की कौन है. वो बाद में बतायेंगे. पहले देखिये ट्वीट कैसे कैसे आए. इन्होने आईपीएल के वीडियोज में कन्या को खोज डाला.

पर ये लड़की है कौन? ये भी इंटरनेट ने बताया. लड़की का नाम दीपिका है. लोगों ने उसकी इंस्टाग्राम की प्रोफाइल तक खोज निकाली. कल तक दीपिका के अकाउंट पर फॉलोअर्स महज़ ३००० हुआ करते थे. लेकिन १५ मिनट वाले फेम ने ऐसा बूस्ट दिया कि खबर लिखने तक लगभग ८२ हज़ार लोग उसे फॉलो करने लगे थे. दीपिका भी इस फेम को एन्जॉय कर रही हैं, इंस्टा की प्रोफाइल पर बायो में क्ष्पींगुेंत जगह बना चुका है. एक वीडियो भी अपलोड किया है, जो कल रात का है. १० घंटे में साढ़े तीन लाख लोग ये वीडियो देख चुके हैं.

जब आगरा के चाहर परिवार को समझ नहीं आ रहा था कि मुंबई को सपोर्ट करें या चेन्नई को

आईपीएल २०१९. चेन्नई और मुंबई फाइनल में पहले पहुंचने के लिए आपस में भिडीं. चेन्नई अपने होम ग्राउंड पर ही हार गई और मुंबई घ्झ्ष् २०१९ के फाइनल में पहुंच गई. यहां दो टीमों के

साथ साथ दो भाईयों में भी भिडंत थी. जहां क्रुणाल और हार्दिक एक ही टीम के लिए खेलते हैं, यहां चेन्नई के दीपक चाहर और मुंबई के राहुल चाहर के बीच भी टक्कर थी इसमें छोटा भाई बाजी मार गया. बात हो रही है राहुल चाहर की. ये दीपक चाहर के चचेरे और मौसेरे भाई हैं. यानी दीपक चाहर के पिता लोकेंद्र सिंह के छोटे भाई की शादी उनकी पत्नी की छोटी बहन से हुई है. आगरा के एक ही घर के दो लड़के क्रिकेट में अपना नाम कर रहे हैं. ७ मई को राहुल ने मुंबई इंडियन्स के लिए चेन्नई के खिलाफ खेलते हुए ४ ओवरों में सिर्फ १४ रन दिए और २ विकेट भी ले लिए. मुंबई के लिए ये सबसे किफायती बॉलिंग थी जिसने चेन्नई को रन ही नहीं बनाने दिए. राहुल ने एक भी छक्का तक नहीं खाया. साथ ही डु प्लेसी और मुरली विजय के विकेट भी ले लिए. यही नहीं राहुल ने अपने चार ओवरों में १३ डॉट बॉल भी फेंकीं. चेन्नई पर तगड़ा प्रेशर आ गया और स्कोर सिर्फ १३१ ही बन सका. अब आते हैं राहुल चाहर पर. अभी तक मुंबई इंडियन्स के लिए राहुल ने १२ मैच खेले हैं और १२ विकेट लिए हैं. दीपक चाहर के पिता इंडियन एयर फोर्स में थे और उन्होंने अपने बेटे को क्रिकेटर बनाने के लिए दिन रात एक कर दिया था. जब उनकी पोस्टिंग जयपुर में थी तो दीपक ने प्रफेशनल क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था. अब दीपक को देखकर राहुल भी पेसर बनने का सपना पाल चुके थे. मगर ताऊ लोकेंद्र ने ये बहुत जल्दी भांप लिया कि राहुल पेसर नहीं लेग स्पिनर अच्छा बन सकता है. फिर क्या था राहुल भी लग गए इस लक्ष्य को भेदने में.

बेटी की फोटो पर आए भद्दे कमेंट्स तो ये बोले अजय देवगन

नीसा. अजय देवगन और काजोल की बेटी. १४ साल की हैं. सिंगापुर में पढ़ाई करती हैं. इंडिया आना-जाना लगा रहता है. इस साल जनवरी में नीसा की एयरपोर्ट फोटोज़ ग्लैमर फोटोग्राफर्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं. इनमें नीसा कैज़ुअल लुक में नज़र आ रही थीं. उन्होंने एक लॉन्ग हुडी ड्रेस पहन रखी थी. जैसे ही ये फोटोज़ सोशल मीडिया पर आईं तो कमेंट्स आने शुरू हो गए. नीसा की ड्रेस पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया. भद्दे कमेंट्स लिखे गए. जैसे ये कि – 'लगता है नीसा ड्रेस के नीचे कुछ भी पहनना भूल गई है.'

नीसा के पिता अजय देवगन भी इस पर चुप नहीं रहे. उन्होंने क्या कहा, आपको जानना चाहिए. अजय ने हाल ही में एचटी को दिए एक इंटरव्यू में कहा –

'पिछले दिनों नीसा को पैंट न पहनने पर ट्रोल किया गया था. वो सिर्फ १४ साल की है और मुझे लगता है कि कई बार लोग ये भूल जाते हैं और बहुत ही बेहूदा बातें करते हैं. नीसा ने उस दौरान लॉन्ग शर्ट पहनी थी. शर्ट लंबी थी इसकी वजह से शॉर्ट्स दिखाई नहीं दे रही थी तो लोगों ने उसे ट्रोल कर दिया.

मैं नहीं जानता ये किस तरह के लोग हैं लेकिन उनकी हरकतों की कीमत हम चुका रहे हैं. मैं पैपराज़ी (पीत पत्रकार/फोटोग्राफर्स) से गुजारिश करता हूं कि वो हमारे बच्चों को अकेला छोड़ दें. आखिर पेरेंट्स के फेमस होने की कीमत बच्चे क्यों चुकाएं?

मुझे लगता कि कोई भी स्टार किड पैपराज़ी से खुश नहीं है. उन सबको अपना स्पेस चाहिए. बच्चे हर समय घर से तैयार होकर नहीं निकलना चाहते हैं. ये बहुत ही दुख की बात है कि ऐसी चीजें हो रही हैं.' अपनी नाराज़गी जताते हुए अजय ने कहा कि इस ट्रोलिंग से न सिर्फ नीसा बल्कि पूरी फैमिली पर असर पड़ता है. ऐसा नहीं है कि ये पहली बार हुआ है. २०१८ में शाहरुख़ खान की बेटी सुहाना के साथ भी ऐसा हुआ था. जब उनके बीच हॉलिडे फ़ोटोज़ पर लोगों ने इसी तरह के घटिया कमेंट्स किए थे. फिर हाल ही में सलमान खान की बहन अर्पिता के बेटे अहिल के बारे में भी असंवेदनशील कमेंट्स किए गए. इस तरह से फिल्म स्टार्स के बच्चों को टारगेट करना सरासर गलत है. आप स्टार्स के काम की आलोचना करिए, उनके घर और उनके बच्चों पर नजरें मत डालिए. एक बार अभिषेक बच्चन ने इसका बहुत सही जवाब दिया था. एक ट्विटर यूज़र ने अभिषेक को बुरा एक्टर कहने के चक्कर में उनकी बेटी का मजाक उड़ा दिया. उस यूज़र ने लिखा – ' इंतजार कर रहा हूं कि आराध्या अपने पिता की द्रोणा, झूम बराबर झूम जैसी फिल्में देखे और ऐश्वर्या से पूछे – 'क्या मजबूरी थी?' '

अभिषेक ने इसका बहुत ही शांत लेकिन असरदार जवाब दिया. उन्होंने ट्वीट किया – ' मेरी फिल्में नहीं पसंद? कोई बात नहीं. मैं इस पर मेहनत करूंगा कि तुम मेरी फिल्में पसंद कर सको. लेकिन इस बात में मेरी बेटी को लाना कूल नहीं है.' इस पर उस ट्विटर यूज़र ने अभिषेक से माफी मांगी.

घर पर ही वजन घटाने के सबसे बढ़िया टिप्स

हम में से कई अपना वजन कम करने की कोशिश में लगे रहते हैं लेकिन इस मामले में कई बार आलस और कई बार बाहर न जाने की वजह से हम बार-बार अपना प्लान कैंसिल कर देते हैं। हम आपको बता रहे हैं घर पर वजन घटाने के कुछ बढ़िया टिप्स जिनके इस्तेमाल से आप घर पर ही वजन घटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।

रोज करें एक्सरसाइज

हल्की-फुल्की एक्सरसाइज रोज करें। इसके लिए आप घर पर योग या डांस का भी सहारा ले सकती हैं।

खुद करें घर के काम

झाड़ू-पोंछा करने में भी काफी कैलरी बर्न होती है। अगर आप रोजाना घर में यह काम करते हैं तो आप काफी हद तक वजन कंट्रोल में रख सकते हैं।

खाना स्किप करने की आदत छोड़ें

अगर आप वजन घटाने की कोशिशों में जुटे हैं तो इस सलाह पर गौर फरमाएं। अगर आप अपना खाना स्किप करते हैं तो आपके वजन पर असर नहीं पड़ेगा लेकिन आपके फिजिकल और मेंटल वेलनेस पर असर पड़ता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

अक्सर लोग वजन घटाने के चक्कर में अपना पसंदीदा खाना मेन्यू से हटा देते हैं। आप ऐसा न करें। पोर्शन ईटिंग करें। इससे डायट्री बैलेंस बनाने में मदद मिलेगी।

नाश्ता बहुत जरूरी है

हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि दिनभर में नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण है। नाश्ते को कभी स्किप न करें। नाश्ते में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा आपको लंबे समय के वर्कआउट के लिए तैयार करती है।

पर्याप्त खाएं

लोग वजन कम करने के लिए अक्सर कम खाना शुरू कर देते हैं। हालांकि कई मामलों में यह बैकफायर भी कर सकता है। इसलिए आपका यह जानना जरूरी है कि आपके शरीर को कितने कैलोरी की जरूरत है। इसे जानें और अपने भोजन में सभी पोषक तत्वों को शामिल करें।

पेट भर कर ग्रॉसरी शॉपिंग करने के लिए जाएं

यह किसी भी स्वस्थ शरीर का सीक्रिट हो सकता है। आप जब भी ग्रॉसरी शॉपिंग के लिए जाएं, पेट भर कर जाएं। इस ट्रिक से आपको शॉपिंग के दौरान हेल्दी फ्रूट्स और सब्जियां चुनने में मदद मिलेगी और आप प्रोसेस्ड व जंक फूड की तरफ आकर्षित नहीं होंगे।

धीरे-धीरे अच्छे से चबाकर खाएं

आपको धीरे-धीरे खाने की आदत डालनी चाहिए। खाने को अच्छे से चबाकर खाना चाहिए। इससे खाना बेहतर तरीके से पचेगा और आप ओवर ईटिंग से भी बचेंगे।

अपना खाना खुद बनाएं

हेल्दी ईटिंग का यह एक और सीक्रिट है। जब आप अपना खाना खुद बनाते हैं तो आप अपने शरीर के लिए हेल्दी खाना ज्यादा बनाते हैं।

अच्छी नींद लीजिए

नींद का खास ख्याल रखिए। अच्छी नींद लीजिए। नींद के दौरान व्यधान न हो, इसका ख्याल रखिए। अच्छी नींद आपको पूरे दिन ऐक्टिव रखने में मददगार होती है।

पैदल चलिए

इसे भी बेसिक टिप्स में गिना जाता है। ज्यादा से ज्यादा पैदल चलने की कोशिश कीजिए। लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल कीजिए। अगर आपकी नौकरी बैठकर काम करने वाली है तो हर दो घंटे बाद ५ से १० मिनट की वॉक लीजिए।

शरीर को हाइड्रेट रखिए

हेल्दी वेट का एक और जरूरी हिस्सा है शरीर को हाइड्रेट रखना। आपका यह जानना जरूरी है कि आपके शरीर को पानी की कितनी जरूरत है। इसी जरूरत के मुताबिक पानी पीजिए और शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए रखिए।

मुंबई-नई दिल्ली के बीच चलेगी 'वंदे भारत एक्सप्रेस'

मुंबई : रेल यात्रियों को जल्द ही बैठे-बैठे रफ्तार का मजा मिलेगा। देश की दूसरी स्वदेशी ट्रेन 'वंदे भारत' चेन्नई के आइसीएफ कोच फैक्ट्री में लगभग बनकर तैयार हो चुकी है। रेलवे के अधिकारियों की मानें तो 'वंदे भारत' ट्रेन को दिल्ली से मुंबई के बीच चलाने की योजना रेलवे बोर्ड बना रही है। योजना के अनुसार सब कुछ ठीक रहा तो दिल्ली से मुंबई के बीच सफर करनेवाले यात्री आनेवाले दिनों में बैठे-बैठे रफ्तार का मजा लेंगे क्योंकि 'वंदे भारत' ट्रेन चेयर कार होगी। हालांकि सफर के दौरान यात्रियों को बैठे-बैठे बोरियत न हो इसलिए इस ट्रेन में इंफोटेनमेंट सहित खान-पान के उपयुक्त इंतजाम हो सके इसलिए ट्रेन के कोच को इसी हिसाब से डिजाइन भी किया गया है।

बता दें कि रेलवे ने यह पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि 'वंदे भारत' ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों की जगह लेगी। लंबी दूरी के सफर के लिए आईसीएफ में टी-२१ ट्रेन का काम प्रगति पर है, जिसमें सभी श्रेणी के यात्रियों के सफर करने की व्यवस्था रहेगी। हालांकि जहां तक बात 'वंदे भारत' ट्रेन की है तो इस ट्रेन को फिलहाल दिल्ली से मुंबई रूट पर चलाने की योजना पर रेलवे बोर्ड काम कर रहा है। अधिकारी का कहना है कि दिल्ली-मुंबई रूट पर सेमी हाईस्पीड ट्रेन चलाने का कार्य प्रगति पर है। अधिकारी के अनुसार मुंबई से दिल्ली के बीच की दूरी १३५८ किमी है। इस दूरी को राजधानी एक्सप्रेस १६ घंटे ५ मिनट में तय करती है लेकिन 'वंदे भारत' ट्रेन इस दूरी को १२ घंटे में तय करेगी। 'वंदे भारत' ट्रेन में चेयर कार की व्यवस्था है, ऐसे में दिल्ली से मुंबई के बीच कम स्टेशनों पर हॉल्ट दिया जाएगा। अमूमन राजधानी एक्सप्रेस १३० किमी की रफ्तार से चलती है इतनी ही रफ्तार 'वंदे भारत' ट्रेन की भी है लेकिन इसकी एक खासियत ये है कि ये ट्रेन तेजी से रफ्तार पकड़ने और कम समय में रुकने की विशेषता के लिए जानी जाती है। रेलवे बोर्ड सूत्रों का कहना है कि 'वंदे भारत' ट्रेन को दिन में चला पाना संभव नहीं है क्योंकि उपनगरीय रेलवे मार्गों पर दिन के समय काफी परेशानी आएगी इसलिए राजधानी के टाइम टेबल पर चलाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी का कहना है कि दिल्ली-मुंबई रूट पर मवेशी पटरी पर आ जाते हैं। 'वंदे भारत' ट्रेन मवेशियों का शिकार हो चुकी है, ऐसे में मवेशियों से बचने और ट्रेन को कम हानि हो इसलिए ट्रेन के आगे कैटल गार्ड भी लगाया गया है।

मुंबई लीग में सबसे महंगे बिके अर्जुन तेंदुलकर, जानिए कीमत

मुंबई : महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को टी-२० मुंबई लीग के दूसरे सत्र के लिए आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब ने खरीदा है। शनिवार को हुए ऑक्शन में अर्जुन को टीम ने पांच लाख रुपए में खरीदा। सचिन तेंदुलकर इस लीग के ब्रांड दूत हैं। सुजीत नायक को भी पांच लाख रुपए के मूल्य में खरीदा गया है।

नीलामी में अर्जुन तेंदुलकर (रल्ह ऊाहर्ल्ले) को ऑल राउंडर वर्ग में एक लाख रुपए के आधार मूल्य में शामिल किया गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज अर्जुन भारत की अंडर-१९ टीम के लिए अनाधिकृत टेस्ट में खेल चुके हैं।

कई टीमों ने उनके लिए बोली लगाई, लेकिन नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने पांच लाख रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई। इसके बाद नीलामी करा रहे चारू शर्मा ने दो नई टीमों - आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब और ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स- को बराबरी करने के मौके (ओटीएम) का विकल्प दिया।

दोनों टीमों ने ओटीएम का विकल्प चुना जिससे एक बैग में दो कार्ड रखे गए और मुंबई क्रिकेट संघ तदर्थ समिति के सदस्य उन्मेश खानविलकर ने एक कार्ड चुना, जो आकाश टाइगर्स का था जिससे उन्होंने जूनियर तेंदुलकर को हासिल किया। लीग १४ मई से वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगी।

बता दें कि सचिन तेंदुलकर ने अपने क्रिकेट करियर में बल्लेबाजी के लगभग सभी रिकॉर्ड तोड़े हैं। अब अर्जुन तेंदुलकर भी अपने पिता के पदचिन्हों पर चलकर क्रिकेट की दुनिया में अपना मुकाम बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

'टी-२० मुंबई' अर्जुन के लिए अच्छा मौका

सचिन तेंदुलकर से जब पूछा गया था कि क्या उनके बेटे के लिए सीनियर स्तर पर करियर शुरू करने का यह सही तरीका होगा तो उन्होंने कहा कि यह ऐसा मौका है जिसका अर्जुन को फायदा उठाना होगा। सचिन ने पीटीआई के साथ बातचीत में कहा था, 'यह ऐसा मंच है जहां मुझे लगता है कि लोग आप पर और आपके खेल पर नजर रखेंगे। अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आप दुनिया के शिखर पर होंगे।'

अर्जुन के लिए मौके खत्म नहीं हो जाएंगे

सचिन को हालांकि लगता है कि अर्जुन को अगर शुरुआत में सफलता नहीं मिलती है तो उनके लिए मौके खत्म नहीं होंगे। इससे वह और मजबूत बनेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि वह क्रिकेट को लेकर जूनूनी रहे और इस खेल से उसका लगाव बना रहे। इस दौरान अच्छा और बुरा दौर आएगा। उसके पास हर सुबह अपने सपनों के पीछे भागने की वजह होनी चाहिए।'

मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर ५५ लाख का गुटखा जब्त

पालघर : पालघर पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर अलग-अलग दो जगहों से ५५ लाख का गुटखा जब्त किया है। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार को तलासरी पुलिस को सूचना मिली कि गुजरात से एक बस में भारी मात्रा में गुटखा मुंबई आ रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने वडवली गांव के पास नीलगिरी होटल के पास बस की तलाशी ली।

तलाशी में २१ लाख २४ हजार रुपये का गुटखा जब्त किया गया। पुलिस ने मामले में बस चालक मनेश कुमार लक्ष्मण पटेल व शैलेश कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है। इसी तरह, विरार पुलिस को सूचना मिली कि वापी से एक ट्रक में गुटखा भरकर मुंबई आ रहा है। इसके बाद पुलिस ने मुंबई-अमदाबाद हाइवे के खानीवडे टोल नाका के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान गुटखे से भरा ट्रक जब्त कर लिया। पुलिस ने ट्रक चालक अब्दुल माजिद मोहमद शाबिर खान को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गुटखे की कीमत ३४ लाख ९२ हजार रुपये है।

डॉक्टरों की बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाएं गड़बड़ाई

मुंबई : मनपा द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित सिविल अस्पताल में आनेवाले हजारों गरीब मरीजों का इलाज कैसे किया जाता है? यह हर कोई जानता है। दिवा, मुंब्रा, कलवा, वागले इस्टेट, लोकमान्य नगर तथा कोपरी आदि परिसरों में चलनेवाले करीब सभी निजी अस्पताल अवैध घोषित हो चुके हैं। अस्पतालों पर ताले लटक रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में भर्ती मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भेजा जा रहा है या उन निजी अस्पतालों में जहां महंगे इलाज हो रहे हैं। दिवा से लेकर कोपरी तक के भागों में एक भी ढंग का सरकारी अस्पताल नहीं है। इस संबंध में दिवा स्थित जीवदानी अस्पताल तथा किसन नगर स्थित ऑर्बिट अस्पताल के संचालक एवं डॉक्टर्स यूनियन के अध्यक्ष डॉ. पीएस पांडेय ने बताया कि जिन ८१ अस्पतालों को अवैध घोषित कर दिया गया है, उनमें गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के मरीजों का इलाज कम पैसे में हो जाता था। अब इसका गहरा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ेगा और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके अलावा अस्पतालों में कार्यरत सैकड़ों डॉक्टर, नर्स तथा अन्य स्टाफ बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 'डॉक्टर्स एसोसिएशन' की तरफ से कोर्ट में एक याचिका दायर की जानेवाली है। कोर्ट का यह आदेश सिर्फ ठाणे शहर के लिए लागू है जबकि बिना एनओसी के मुंबई सहित पूरे देश में हजारों की संख्या में अस्पताल चल रहे हैं।

दसवीं में दिखा दम, ५ साल बाद बढ़ा सफलता प्रतिशत

मुंबई : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षण मंडल (सीबीएसई) द्वारा ली गई दसवीं की परीक्षा में विद्यार्थियों का दम देखने को मिला। ५ साल बाद सफलता प्रतिशत में ४.४० प्रतिशत से बढ़ोत्तरी हुई है। सीबीएसई बोर्ड में उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थियों का औसतन प्रतिशत ९१.१० है। पूरे देश में ५०० अंकों में से ४९९ अंक पानेवाले कुल १३ विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया है, तो वहीं ४९७ अंक पाकर तीसरे स्थान पर आनेवाले विद्यार्थियों में कुल ५८ विद्यार्थियों में से ठाणे के आद्री दास, धात्री मेहता और नेरुल की दीपस्ना पांडा के नाम का समावेश है। बता दें कि दसवीं की परीक्षा में बैठनेवाले कुल १७ लाख ६१ हजार ७८ विद्यार्थियों में से १६ लाख ४ हजार ४२८ विद्यार्थी ही उत्तीर्ण हो पाए हैं। पिछले वर्ष उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थियों की संख्या की तुलना में इस वर्ष पास होनेवाले विद्यार्थियों की संख्या में १ लाख ६४ हजार ८३४ की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष का औसतन परिणाम ८६.७० प्रतिशत था। ९९.८५ प्रतिशत के साथ सबसे अधिक परिणाम त्रिवेंद्रम विभाग का है जबकि चेन्नई विभाग के अंतर्गत आनेवाले मुंबई विभाग का सफलता प्रतिशत ९९ प्रतिशत रहा। बारहवीं की तरह दसवीं में भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से काफी अच्छा रहा है। लड़कियों का सफलता प्रतिशत ९२.४५ और लड़कों का ९०.१४ प्रतिशत रहा। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का सफलता प्रतिशत में भी लगभग १० प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

चारा छावनियों में पशुओं की हाजिरी के लिए तैयार किया गया ऐप

मुंबई : चारा छावनियों में पशुओं की उपस्थिति की जानकारी मोबाइल बताएगा। एक ऐसा ऐप तैयार किया गया है। इस समय राज्य के अहमदनगर, बीड, उस्मानाबाद, लातूर, औरंगाबाद, सातारा, सोलापुर, सांगली, जालना, परभणी, हिंगोली और पुणे जिलों में सूखाग्रस्त १,२८४ राहत शिविर और छावनियां लगाई गई है। इन छावनियों में छोटे-बड़े मिलाकर ८ लाख ५५ हजार ५१३ पशु हैं। पुणे, सातारा, सांगली और औरंगाबाद जैसे चार जिलों में स्वयंसेवी संस्थाओं ने स्वेच्छा एवं स्वखर्च से छह छावनियां शुरू की हैं। चारा छावनियों में रहने वाले जानवरों के लिए सरकार प्रति जानवर १५ से १८ किलोग्राम हरा चारा व गन्ना दिया जाता है, जबकि छोटे पशुओं को ७.५ किलो हरा चारा व गन्ना दिया जा रहा था। अब सरकार ने ९ किलो प्रतिदिन चारा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

१० करोड़ रूपये जमा करने पर विदेश जा सकेंगे कार्ति चिदंबरम

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है. सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल के पास जमानत के रूप में दस करोड़ रूपए जमा करने के बाद कार्ति चिदंबरम को मई-जून में अमेरिका, जर्मनी और स्पेन जाने की इजाजत दे दी. कार्ति चिदंबरम के खिलाफ आईएनएक्स मीडिया और एयरसेल मैक्सिस मामलों में जांच चल रही है. उन्होंने 'टोटस टेनिस लि.' द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेन्ट के लिये अमेरिका, जर्मनी और स्पेन जाने के लिये शीर्ष अदालत से अनुमति मांगी थी. प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने कार्ति चिदंबरम को विदेश यात्रा की अनुमति दी क्योंकि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध नहीं किया. पीठ ने कहा कि कार्ति चिदंबरम को उन्हीं शर्तों पर विदेश जाने की अनुमति दी जाती है जो इससे पहले उनकी विदेश यात्रा के दौरान लगायी गयी थीं. पीठ ने कहा कि कार्ति को शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल के पास जमानत के रूप में दस करोड़ रूपए जमा कराने होंगे. कार्ति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के वी विश्वनाथन ने कहा कि पिछली बार जमा कराये गये दस करोड़ रूपए की धनराशि अभी भी उच्चतम

न्यायालय की रजिस्ट्री के पास ही है.इस पर पीठ ने कहा, 'हमें नहीं लगता कि आपको दुबारा दस करोड़ रूपए जमा कराने में किसी प्रकार की परेशानी होगी.'

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस साल ३० जनवरी को कार्ति चिदंबरम को उच्चतम न्यायालय के सेक्रेटरी जनरल के यहां दस करोड़ रूपए जमा कराने के बाद विदेश जाने की अनुमति दी थी. साथ ही उन्हें आगाह किया था कि अगर उन्होंने आईएनएक्स मीडिया और एयरसेल मैक्सिस मामलों की जांच में सहयोग नहीं किया तो उनके साथ सख्ती की जायेगी. सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर कार्ति को एक लिखित आश्वासन दाखिल करने का निर्देश दिया था जिसमें उनकी उड़ानों का विवरण और भारत लौटने की तारीख हो.जांच एजेंसी ने इससे पहले विदेश जाने के लिये कार्ति के आवेदन का विरोध किया था और कहा था कि वह सवालों के जवाब नहीं दे रहे हैं और जांच में सहयोग भी नहीं कर रहे हैं. जिसकी वजह से जांच पूरी होने में विलंब हो रहा है. जांच एजेंसी ने न्यायालय से कहा था कि पिछले छह महीने में कार्ति चिदंबरम ५१ दिन विदेश रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल १८ सितंबर को कार्ति को २०-३० सितंबर तक ब्रिटेन जाने की अनुमति प्रदान की थी.कार्ति के खिलाफ अनेक आपराधिक मामलों में प्रवर्तन निदेशालय और केन्द्रीय जांच ब्यूरो जांच कर रहा है. इसमें आईएनएक्स मीडिया को विदेश से ३०५ करोड़ रूपए का विदेशी धन प्राप्त करने के प्रस्ताव को विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड की मंजूरी से संबंधित मामला भी शामिल है. आपको बता दें कि आईएनएक्स को जब इसकी मंजूरी दी गयी थी तो कार्ति के पिता पी. चिदंबरम वित्त मंत्री थे.

पुलवामा का जिक्र न करने पर विदेश मंत्रालय ने कहा, मसूद पर बैन लगाना था मकसद

पुलवामा और उरी समेत कई आतंकी हमलों के गुनहगार जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने खुशी जाहिर की है. हालांकि जब उनसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद फैसले में पुलवामा आतंकी हमले का जिक्र नहीं किए जाने का सवाल किया गया, तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया जाना पाकिस्तान के लिए तगड़ा झटका है. यह पाकिस्तान की बड़ी कूटनीतिक हार है. अब इससे ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं.

उन्होंने कहा कि मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंध लगाया है. यह प्रतिबंध मसूद अजहर की आतंकी गतिविधियों का बायोडाटा नहीं है. मसूद अजहर को सिर्फ एक ही नहीं, बल्कि कई आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में प्रतिबंधित किया गया है. हमारा मकसद किसी भी तरह मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने का था, जिसमें हम सफल रहे. दरअसल, १४ फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें ४० से ज्यादा जवान शहीद हो

गए थे. इस हमले की जिम्मेदारी खूंखार आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी. इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हमला किया था. साथ ही जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने के लिए कोशिश तेज की थी. अब भारत ने मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित कराने में सफलता हासिल कर ली है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने के फैसले का न स्वागत कर सकता है और न ही आलोचना कर सकता है. उसके पास सिर्फ कुछ खामियां गिनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. उन्होंने कहा, 'हम आतंकवाद और देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किसी भी देश से समझौता नहीं करते हैं. मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की प्रक्रिया साल २००९ में शुरू हुई थी.

आपको बता दें कि चीन के अड़ंगा हटाने के बाद बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया. हालांकि मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने के फैसले में पुलवामा आतंकी हमले का जिक्र नहीं किया गया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा, 'चीन के अड़ंगा हटाने के कदम का हम स्वागत करते हैं. मसूद अजहर को वैश्विक आतंकियों की सूची में शामिल कराने में चीन ने जो योगदान दिया है. इससे भारत के साथ उसके रिश्ते मजबूत होंगे. एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने खुद ही बताया है कि उसने मसूद अजहर को आतंकी घोषित करने में लगाए गए तकनीकी अड़ंगा को क्यों हटाया है? रवीश कुमार ने कहा कि आतंकवादी मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का फैसला सही दिशा में उठाया गया एक कदम है. मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का निर्णय आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया की प्रतिबद्धता और एकजुटता को दर्शाता है.

अरविंद केजरीवाल को थप्पड़ मारने वाले का नया वीडियो आया सामने, AAP समर्थक होने का दावा

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के दौरान थप्पड़ मारने वाले शख्स की पहचान को लेकर एक नई बात सामने आई है. अरविंद केजरीवाल को थप्पड़ मारने वाले सुरेश चौहान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह आम आदमी पार्टी के कार्यक्रम में दिख रहा है. अरविंद केजरीवाल को थप्पड़ मारने वाले सुरेश चौहान का जो वीडियो सामने आया है, उससे पता चलता है कि वह केजरीवाल की रैलियों और रोड शो में पहले भी जाता रहा है. बता दें कि इससे पहले आम आदमी पार्टी और खुद अरविंद केजरीवाल ने मोदी भक्त बोलकर से बीजेपी का आदमी बताया था. हालांकि, पुलिस ने सुरेश को आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता बताया था.

अरविंद केजरीवाल ने थप्पड़ मारे जाने की घटना की निंदा करते हुए उन पर बार बार होने वाले हमलों के पीछे बड़ी साजिश होने की आशंका जताई थी. और इस घटना के पीछे भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने हमलवार को आप कार्यकर्ता बताया था, मगर उस वक्त आम आदमी पार्टी ने कहा था कि दिल्ली पुलिस झूठ बोल रही है, उसकी बीवी उसे मोदी भक्त बता रही है. दिल्ली पुलिस ने बताया था कि प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि थप्पड़ मारने का आरोपी सुरेश नाम का यह युवक कबाड़ी का काम करता है और वह आप पार्टी का समर्थक है तथा इसकी रैलियों और बैठकों में बतौर आयोजक काम करता है.

साथ ही पुलिस ने बताया था कि मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है क्योंकि उन्हें अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है. घटना के समय केजरीवाल नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से आप के उम्मीदवार बृजेश गोयल के प्रचार अभियान के दौरान मोती नगर इलाके में आयोजित रोड शो में हिस्सा ले रहे थे. तभी लाल रंग की टीशर्ट पहने एक युवक ने केजरीवाल की जीप पर चढ़ कर उन्हें चांटा मार दिया. दिल्ली पुलिस के एपीआरओ अनिल मित्तल ने बताया कि डीसीपी स्तर की जांच के आदेश दे दिये गए हैं. पुलिस ने बताया कि हमलावर सुरेश के अनुसार वह पार्टी के नेताओं के व्यवहार से परेशान था और वह इस बात से नाराज था कि पार्टी ने 'सशस्त्र सेनाओं पर अविश्वास' जताया है.

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को केजरीवाल पर हुये हमले के बाद कहा कि यह घटना मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक है. उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'दिल्ली के मुख्यमंत्री की सुरक्षा मोदी सरकार के अधीन है लेकिन केजरीवाल का जीवन सबसे असुरक्षित है. बार-बार हमला और फिर पुलिस का रोना, क्या साज़िश है इसके पीछे? हिम्मत है तो सामने आकर वार करो दूसरों को हथियार बनाकर नहीं.' सिंह ने केजरीवाल पर हुये हमले के पीछे साजिश की आशंका जताते हुये कहा, 'केजरीवाल की सुरक्षा में बार बार चूक. क्या मोदी सरकार केजरीवाल पर किसी बड़े हमले का इंतज़ार कर रही है? या फिर कोई बड़ी साज़िश है?'

शिक्षक-शिष्या का अश्लील वीडियो वायरल, पुलिस ने बंद कराया स्कूल, केस दर्ज

पटना : बिहार की राजधानी पटना के पालीगंज में कोचिंग की आड़ में सेक्स रैकेट का सनसनीखेज मामला सामने आया है.इस सेक्स रैकेट के जरिए स्कूल की नाबालिग लड़कियों को फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था. इस पूरे मामले में कोचिंग कराने वाले टीचर को पालीगंज के एक निजी स्कूल का सहयोग मिल रहा था. पटना पुलिस ने उस स्कूल को बंद करवा कर मामले की जांच के लिए एक टीम गठित कर दी है.

यह पूरा मामला तब उजागर हुआ जब मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया पर टीचर और छात्रा की अश्लील वीडियो वायरल हुआ. गुरु शिष्य रिश्ते को शर्मसार कर देने वाले इस वीडियो से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. वीडियो वायरल होने के बाद छात्रा के परिजनों ने स्कूल टीचर के खिलाफ मामला दर्ज कराया. छात्रा की उम्र १५ साल है और वो स्थानीय लिटिल फ्लावर स्कूल में ६ठी क्लास में पढती है. पुलिस में दी गई शिकायत में परिजनों ने लिखा कि पढाई में कमजोर होने के कारण स्कूल के प्रबंधक ने उन्हें बुलाकर कहा कि लड़की को कोचिंग की जरूरत है. इसके लिए एक टीचर धर्मेन्द्र कुमार का चुनाव भी स्कूल के डायरेक्टर ने किया. धर्मेन्द्र स्कूल में अंग्रेजी पढाता था. थाने में दर्ज एफआईआर में शिक्षक के साथ साथ स्कूल के डायरेक्टर, प्रिंसिपल और कई शिक्षकों पर आरोपी शिक्षक को बढावा देने का आरोप भी लगाया गया है. जब परिजनों को शिक्षक के इस कारनामे के बारे में पता चला तब उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षकों से शिकायत की. लेकिन कोई सुनवाई नही हुई और उन्हें डांट कर भगा दिया गया. धमकी भी दी गई कि अगर इसके बारे में किसी को बताया तो बच्ची का किसी स्कूल में दाखिला नहीं होगा और मुंह दिखाने लायक भी नही रहोगे.

स्कूल के डायरेक्टर के अनुसार यह वीडियो लगभग छः महीने पुराना है. अब आरोपी टीचर स्कूल में पढ़ाता भी नहीं है. वो दो महीने पहले ही स्कूल छोड़ चुका है. लेकिन पीड़िता के परिजनों ने पालीगंज थाने में स्कूल के डायरेक्टर सहित कई शिक्षकों पर आरोपी टीचर के मनोबल को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि एग्जाम में अच्छे नंबरों से पास कराने और घर पर टयूशन पढ़ाने का प्रलोभन देकर आरोपी शिक्षक ने ये कुकृत्य किया है.

न्यूड फोटो के जरिए ब्लैकमेल कर रहे थे रूममेट, युवक ने की खुदकुशी

मुंबई : महाराष्ट्र के पालघर जिले में २४ साल के एक युवक ने अपने किराए के फ्लैट में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना वनगांव इलाके की है। बताया जा रहा है कि शराब पार्टी के दौरान युवक के दो रूममेट ने उसकी नग्न (न्यूड) तस्वीरें ले ली थीं। न्यूड फोटो के जरिए वे राहुल मिश्रा नाम के युवक को लगातार ब्लैकमेल कर रहे थे। इसी के बाद सोमवार को युवक ने खुदकुशी का कदम उठा लिया। वनगांव पुलिस ने इस मामले में ऐक्सिडेंटल डेथ (दुर्घटनावश मृत्यु) का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो राहुल फ्लैट की छत से लटका हुआ पाया गया। राहुल के कमरे से कोई सूइसाइड नोट नहीं बरामद हुआ है। पुलिस अब उसके रूममेट्स से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किसके मोबाइल फोन में न्यूड तस्वीरें मौजूद हैं। मृतक राहुल मिश्रा अपने दो रूममेट के साथ बोइसर एमआईडीसी की एक दवा कंपनी में काम करता था। पहले राहुल को लगा कि उसके रूममेट न्यूड तस्वीरों के नाम पर मजाक कर रहे हैं और उसने दोनों से तस्वीरें डिलीट करने को कहा। लेकिन रूममेट ने पैसों के लिए उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। यही नहीं पैसे न देने की सूरत में न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। पुलिस ने राहुल के दोनों रूममेट का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। उनके मोबाइल फोन में रोहित का वह मेसेज भी है जिसमें उसने तस्वीरों को डिलीट करने की गुहार लगाई थी। रोहित की मौत किस वजह से हुई यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद साफ हो पाएगा। इस बीच पुलिस ने उत्तर भारत में रहने वाले रोहित के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

प्रेम में बाधा बने माता-पिता से मिलेगी सुरक्षा,बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया आदेश

मुंबई : दूसरी जाति के लड़के से प्रेम करने वाली युवती को बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया है। दरअसल युवती को अपने माता-पिता से खुद की और प्रेमी की जान को खतरा है। इसके लिए उसे बॉम्बे हाई कोर्ट की शरण में जाना पड़ा। इस मामले में मंगलवार को हाई कोर्ट ने लड़की की शिकायत दर्ज कर उसे सुरक्षा प्रदान करने के लिए तलेगांव पुलिस को निर्देश दिया।

यह मामला पुणे की तलेगांव पुलिस थाने के अंतर्गत का है। १९ वर्षीय लड़की एक कॉलेज में पढ़ती है। इसी दौरान उसे अपने से निचली जाति के लड़के से प्यार हो गया। उसके माता-पिता को अपने बेटी का यह प्रेम प्रसंग नागवार गुजरा और वे इसका विरोध करने लगे। इससे तंग आकर लड़की ने एक बार आत्महत्या की कोशिश भी की, लेकिन वह बच गई। आखिरकार उसने अपनी और अपने प्रेमी की सुरक्षा के लिए वकील नितिन सातपुते के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की।

इस मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। लड़की की तरफ से याचिका में कहा गया कि उसके अंतरजातीय लड़के से प्रेम का माता-पिता का विरोध है। अगर वह अपने प्रेमी से विवाह करती है, दोनों की जान को खतरा हो सकता है इसीलिए उन्हें सुरक्षा मुहैया कराया जाए। याचिका में कहा गया था कि अगर लड़का गरीब होगा, तो भी वह सुखी रहेगी। किसके साथ रहना है, यह निर्णय लेने का अधिकार उसे है, इसलिए उसे माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों से संरक्षण दिया जाए।

राज ठाकरे के खिलाफ लिखी पोस्ट, मामला दर्ज

कल्याण: सोशल मीडिया फेसबुक पर राज ठाकरे के विरोध में विकास होले ने अपमानजनक पोस्ट लिखी, वहीं अजय पाटील ने उसे लाइक किया और राज के विरुद्ध अपमानजनक कॉमेंट्स कर दिया। यही नहीं, उन्होंने यह भी लिखा कि अगर हिम्मत है, तो हमारे खिलाफ मामला दर्ज कराओ। पोस्ट पर नजर पड़ते ही मनसे के उप शहर अध्यक्ष योगेश गंवाने ने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पड़ोसी का झगड़ा छुड़ाना पड़ा महंगा

मुंबई: पंत नगर पुलिस ने ३२ साल के एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर पड़ोसियों के घर को जलाने का आरोप है। आरोपी का नाम अशोक शर्मा है। शर्मा पर आरोप है कि वह नशे में अक्सर पत्नी को प्रताड़ित करता था। उस दौरान पड़ोसी उसकी पत्नी को बचाने के लिए आ जाते थे। पड़ोसियों द्वारा किए गए बीच-बचाव से शर्मा बुरा मान जाता और उनसे झगड़ने लगता था। हद तो तब हो गई, जब २६ अप्रैल को शर्मा ने पड़ोसियों के घर को जलाने की कोशिश की। हालांकि, समय रहते अग्निशमन विभाग के लोग मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पा लिया गया।

नालासोपारा में तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार

नालासोपारा: पालघर एसएस ब्रांच (अनैतिक मानवी वाहतुक शाखा) की टीम ने मंगलवार शाम नालासोपारा के टाकीपाडा इलाके में छापेमारी के दौरान तीन बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम ५ बजे पालघर एसएस ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि टाकीपाडा स्थित सारा अपार्टमेंट में कुछ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। सूचना के बाद टीम ने एक फ्लैट पर छापामार कर विपुल यूनुस मियां (२४) नाजीर हुसैन इस्माइल शेख (२२) व सुमय्या यास्मीन इदरिश अली (२४) को गिरफ्तार किया है।

कंटेनर ने बाइक सवार को कुचला

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कामन-भिवंडी रोड पर मंगलवार की दोपहर एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार को कुचल दिया। इस हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, संतोष भुवन स्थित वालईपाडा निवासी राधेश्याम विजय बहादुर यादव (५७) मंगलवार की दोपहर ३ बजे अपनी बाइक से कामन रोड से चिंचोटी की तरफ आ रहा था। जैसे ही वह भजनलाल तबेला के पास पहुंचा, पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे जोरदार ठोकर मार दी।

व्यक्ति पर जानलेवा हमला, आरोपी फरार

वसई: वसई स्टेशन के फुटब्रिज पर मंगलवार की शाम एक व्यक्ति पर अज्ञात शख्स ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी शख्स फरार हो गया, इस हमले में व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गया उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, वसई निवासी समीर मर्चेंट (४५) वसई स्टेशन के फुटब्रिज से जा रहा था। इस दौरान एक अज्ञात शख्स ने बर्फ कटर से मर्चेंट के हाथ, पीठ, पेट व शरीर पर कई वार कर दिए।

महिला ने युवक पर फेंका खौलता पानी

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चिंचोटी इलाके में मामूली विवाद को लेकर एक महिला ने युवक पर खौलता पानी फेंक दिया, साथ ही महिला के साथ अन्य तीन लोगों ने उसकी जमकर पिटाई भी कर दी। इस हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। उसका शताब्दी अस्पताल ने इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मीरा रोड निवासी दीपांकर रंतदेव तिवारी (३३) रिक्शा चालक है। सोमवार की सुबह १० बजे वह चिंचोटी स्थित पाटीलपाडा अपने रूम पर आया था। यहां उसका सुनीता देवनारायण त्रिपाठी नामक महिला से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। महिला ने खौलता पानी उसकी पीठ पर फेंक दिया जिससे वह बुरी तरह झुलस गया।

कार का कांच तोड़कर एक लाख नकदी चोरी

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एवरशाइन सिटी इलाके में मंगलवार दोपहर अज्ञात चोरों ने एक कार का कांच तोड़कर उसने रखी एक लाख नकदी चुरा ली। जानकारी के अनुसार, खानीवडे गांव निवासी विजय महादु खिलारे (२४) आईसीआईसीआई बैंक से एक लाख रुपये निकाले और अपनी कार की पिछली सीट पर रख दिए। उसने कार बैंक के बाहर पार्क की और पास स्थित महिंद्रा कोटक बैंक में चेक डिपॉजिट करने

भ्रष्टाचार पर लगाम ऑनलाइन तबादलों से लगेगी

मुंबई : मुंबई पुलिस में पहली बार एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत पुलिस वालों को अपने तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इससे पुलिस वालों के तबादलों में होने वाले विलंब और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकेगी। मिली खबरों के मुताबिक, मुंबई पुलिस आयुक्त ने यह फैसला लिया है कि पुलिस में सिपाही से लेकर सहायक पुलिस उप निरीक्षक पद तक के कर्मचारियों को यह सुविधा दी जाएगी। बता दें कि मुंबई पुलिस में भर्ती के लिए तो ऑनलाइन प्रक्रिया अमल में लाई जाती है, लेकिन तबादलों के लिए ऑफलाइन प्रक्रिया ही चली आ रही है। पुलिस विभाग में हर साल हजारों कर्मचारियों का तबादला इधर से उधर होता है। इनमें ज्यादातर वे कर्मचारी होते हैं, जिनका कार्यकाल एक जगह पर पूरा हो चुका होता है। इनमें भी सबसे ज्यादा संख्या उन लोगों की होती है जो अपनी मनचाही जगह पर अपना तबादला कराना चाहते हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर राजनीतिक और वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव और पैसे के लेनदेन की शिकायतें सामने आती हैं। जब पुलिस वालों के तबादलों का समय आता है, तब पुलिस मुख्यालय में भी काफी गहमागहमी दिखाई देती है। इस सब से निजात पाने के लिए पुलिस वालों के तबादलों की ऑनलाइन प्रक्रिया को शुरू किया

मोदी को थप्पड़ मारने का मन करता है - ममता बनर्जी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला. ममता ने कहा कि उनका पीएम मोदी को थप्पड़ मारने का मन करता है. मैंने ऐसा झूठा प्रधानमंत्री नहीं देखा. जब चुनाव आते हैं तो राम नाम जपने लगते हैं. मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ''५ साल पहले उन्होंने अच्छे दिनों की बात की थी, लेकिन बाद में नोटबंदी कर दी. वह संविधान भी बदल देंगे.'' ममता ने कहा, ''मैं बीजेपी के नारों में विश्वास नहीं रखती. पैसा मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता. लेकिन जब नरेंद्र मोदी बंगाल आकर कहते हैं कि टीएमसी लुटेरों से भरी पड़ी है तो मुझे उन्हें थप्पड़ मारने का मन हुआ.''

'नरेंद्र मोदी से नहीं डरती'

पुरुलिया में टीएमसी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए ममता ने कहा, ''क्या पीएम मोदी पुरुलिया के आदिवासी गांवों के बारे में जानते हैं? अब तक यहां ३०० आईटीआई कॉलेज बनवाए जा चुके हैं. दिल्ली में मोदी ५ साल से हैं. मैंने बहुत संघर्ष किया है. मैं खुद को बेचकर राजनीति नहीं करती. मैं मोदी से नहीं डरती, क्योंकि मैं इस तरह की ही जिंदगी जीती हूं.

'दंगा फैलाने की कर रहे कोशिश'

ममता ने आगे कहा, मोदी जैसा झूठा मैंने आजतक नहीं देखा. असम में २२ लाख बंगालियों के नाम काट दिए गए. महाराष्ट्र और यूपी से बिहारियों को खदेड़ दिया गया. अब वह बंगाल में भी एनआरसी की बात करते हैं. ममता ने कहा, प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के समय मोदी बंगाल नहीं आते.

हाईकोर्ट के आदेश पर ८१ अस्पताल

मुंबई : अवैध इमारतों में फायर एनओसी के बिना चल रहे ८१ अस्पताल एक झटके से बंद हो गए या उसे सील कर दिया गया है। मुंबई हाईकोर्ट के आदेश पर ठाणे मनपा द्वारा की गई इस कार्रवाई से शहर की स्वास्थ्य सेवाओं का पूरी तरह चरमरा जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। अस्पतालों के बंद होने पर गंभीर संकट से निपटने के लिए मनपा मुख्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। उल्लेखनीय है कि ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत कुल ३७५ अस्पताल एवं नरसिंग होम हैं। इनमें से ८१ अस्पताल एवं नरसिंग होम ऐसे हैं, जो अवैध इमारतों में चल रहे हैं। इनके पास मनपा की न तो ओसी है और न ही अग्निशमन विभाग की एनओसी। पिछले वर्ष एक अस्पताल में आग लगने की घटना के बाद मनपा ने सभी अस्पतालों को फायर एनओसी लेने का नोटिस जारी किया था पर उन अस्पतालों को फायर एनओसी तब तक नहीं मिल सकता है जब तक कि मनपा उन्हें उस इमारत की ओसी न दे दे। मनपा इमारत की ओसी इसलिए नहीं दे सकती क्योंकि उस इमारत का निर्माण मनपा की मंजूरी लिए बिना ही किया गया है।

पहले एनओसी लाओ फिर अस्पताल चलाओ

शहर में चल रहे अवैध अस्पतालों के विरुद्ध सपन श्रीवास्तव नामक एक याचिकाकर्ता ने मुंबई हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी।

इस याचिका में मनपा को प्रतिवादी बनाया गया था। इस मामले की अंतिम सुनवाई मुख्य न्यायाधीश पीएन जोग तथा एनएम जमादार की अदालत में हुई। फायर प्रिवेंशन एंड लाइफ सेफ्टी एक्ट २००६ के नियम २००९ के तहत कोर्ट ने मनपा प्रशासन को एनओसी विहीन सभी अवैध अस्पतालों को बंद करने का आदेश दे दिया। कोर्ट के आदेश पर मनपा सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग तथा अग्निशमन विभाग ने अवैध अस्पतालों को नोटिस जारी किया, जिसमें ४८ घंटे के अंदर फायर एनओसी लेने या अस्पताल में भर्ती मरीजों को सरकारी या गैरसरकारी अस्पताल स्थानांतरित कर अस्पताल को बंद करने का निर्देश दिया गया था। नोटिस का पालन न करने पर अस्पतालों को सील करने की चेतावनी दी गई थी। अस्पताल को सील होने से बचाने के लिए शहर के सभी ८१ अस्पतालों के संचालक डॉक्टरों ने अस्पताल को बंद कर इसकी लिखित जानकारी मनपा स्वास्थ्य विभाग को दे दी है।

सूखे पर घिरे शरद पवार

मुंबई : महाराष्ट्र में सूखे को लेकर एनसीपी चीफ प्रमुख शरद पवार ने समीक्षा बैठक क्या की, फडणवीस सरकार के मंत्री पवार पर टूट पड़े। बीजेपी मंत्रियों का साथ शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने दिया। सरकार की ओर से पवार पर राजनीति करने का आरोप ही नहीं लगाया बल्कि आज के हालात के लिए पवार को दोषी भी ठहराया। सरकार के समर्थन में उतरी शिवसेना ने पवार से पूछा कि उनके शासनकाल में जब राज्य में सूख पड़ा था, तब पवार ने क्या उपाय किए थे? पार्टी ने मुखपत्र के माध्यम से पवार पर तंज कसते हुए कहा कि पवार को किसान, पानी और सूखे की अच्छी जानकारी है, क्योंकि कई सालों तक पवार केंद्र में कृषि मंत्री रहे हैं। इसके बाद भी पवार ने सूखे से निपटने के लिए आघाडी शासनकाल में कुछ काम नहीं किया।

मुखपत्र ने फडणवीस सरकार की जलयुक्त शिवार योजना की सराहना करते हुए लिखा कि सत्ताधारी पार्टी ने सूखे से निपटने के लिए इस तरह की योजनाओं को क्यों पहले शुरू नहीं किया। उल्टे इनके पार्टी की सरकार ने सिंचाई की योजनाओं में घोटाले ही किए। अब वही पवार सूखे पर राजनीति कर रहे हैं। शिवसेना के मुखपत्र ने सरकार की पीठ थपथपाते हुए लिखा कि सूखे से निपटने में यह सरकार अच्छा काम कर ही है, लेकिन विपक्ष राजनीति कर रहा है।

गैरसरकारी संस्थाओं से मदद की दरकार

राज्य के वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने गैरसरकारी संस्थाओं से अपील की है कि वे सूखे की मार झेल रहे किसानों की मदद के लिए आगे आएं। इससे किसानों को बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों पानी की आपूर्ति के लिए ट्रेनों की आवश्यकता होगी, वहां ट्रेन भी पानी भेजने की व्यवस्था की जाएगी, फिलहाल ऐसी कोई मांग नहीं है। पवार के बयान पर वित्तमंत्री ने कहा कि सूखे से निपटने में उनका बड़ा अनुभव रहा है। उसका फायदा किसानों में हितों के लिए होना चाहिए, लेकिन वे सूखे पर राजनीतिक कर रहे हैं।

पवार ने कहा क्या था?

राज्य में सूखे की हालात पर शनिवार को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने एक समीक्षा बैठक की थी जिमसें उनकी पार्टी के पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। बैठक के बाद उन्होंने फडणवीस सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य सरकार सूखे से निपटने में विफल है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को एक चिट्ठी भी लिखी है और कहा कि सूखाग्रस्त इलाकों के उनके दौरे के बाद ही राज्य सरकार नींद से जागी है। पवार का यह बयान सत्तापक्ष को अखर गया।

Famida : 093727 98694 Amin : 098206 25502
WELL FOCUS
Present
WELL FOCUS KIDS
Efficient. Effective. Convenient
For Play Group & Nursery
Shop No. 11, Ruby Tower, Sahakar Road, Off S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.

Marriage Ground
Available at
MIRA ROAD (E) JOGESHWARI (W)
For booking contact us :
Chauhan Caterers & Decorator
Mob. 9987998710 / 9004433228

मॉडल, कलाकार, हेल्पर की जरूरत है
CINE, T. V. ARTISTS AND WORKERS ASSOCIA-TION (REGD.)

अच्छे मियाँ
कार्ड भी बनाकर दिया जाएगा... कार्ड की कीमत २५००/-
(Regd. No. A.L.C. -17-10174 Under Trade Union Act, 1926 With Government of Maharashtra)
Heena Arcade,Shop No16, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-102
Tel. : 022-66989738 - 9220541108/ 08433238738

New Huma Caterers ®
Jogeshwari
★ We Have No Branch ★
Mohd. Salim
9820710325 / 9967865102
9867868339 / 26790046
: Address :
Shop No. 1, Old Ghaswala Stable, Next to Syndicate Bank, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.
Web.: www.newhumacaterers.com
E-mail : newhumacaterers@gmail.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह